भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1786

जिसका उत्तर दिनांक 13.12.2023 को दिया जाना है

यूरेनियम खनन के प्रभाव

1786. श्री राम मोहन नायडू किंजरापु :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने यूरेनियम खनन के कारण कड़प्पा जिले के तुम्मलापल्ली में लोगों को होने वाली समस्याओं के अवलोकन हेतु क्षेत्र-सर्वेक्षण किए थे और यदि हां, तो सर्वेक्षित लोगों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भूजल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ऐसे अन्य मुद्दों के कारण लोगों को होने वाली स्वास्थ्य-संबंधी चिंताओं का सर्वेक्षण किया गया था;

(ग) यदि हां, तो ऐसे खनन के कारण स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले युवाओं का लिंग-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त उपक्रम खनन के कारण पुनर्वास को बाध्य हुए साठ वर्ष की आयु से अधिक के ग्रामीणों को पेंशन का भुगतान कर रहा है;

(ङ) यदि हां, तो पुनर्वासित हुए 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को प्रदान की गई पेंशन और उनकी कुल संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या राज्य सरकार तुम्मलापल्ली जिले में यूरेनियम के खनन से सहमत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) से (ग) परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के अधीन यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल), एक खनन कंपनी है, जो पिछले छह दशकों से देश में यूरेनियम अयस्क के खनन और प्रसंस्करण में कार्यरत है। यूसीआईएल में अपनाई गई प्रौद्योगिकी यंत्रीकृत और पर्यावरण के अनुकूल है जिसमें अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन किया गया है। भाभा

परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) द्वारा स्थापित स्वास्थ्य भौतिकी इकाई/पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशाला द्वारा यूसीआईएल प्रचालनों का नियमित रूप से मॉनीटरन किया जा रहा है। यूसीआईएल विकिरणकीय संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग (आईसीआरपी) द्वारा अनुशंसित और परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा अपनाए गए उच्चतम सीमा मूल्यों/मानकों से नीचे विभिन्न विकिरणीय मापदंडों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यूसीआईएल के प्रचालन खान सुरक्षा महानिदेशक (डीजीएमएस), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) और परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) आदि जैसे विभिन्न नियामक प्राधिकरणों की कड़ी निगरानी के तहत हैं। तुम्मलपल्ली में यूसीआईएल प्रचालन के विरूद्ध आस-पास के स्थानीय ग्रामीणों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा लगाए गए विभिन्न आरोपों के समाधान के लिए, आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेश पर संबंधित क्षेत्र में और उसके आस-पास विभिन्न वैज्ञानिक जांच की गई हैं जिनका विवरण निम्नानुसार है:

1. **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास** ने मेसर्स यूसीआईएल के पछोड़न कुण्ड़ के आसपास के पड़ोसी गांवों में भूजल संदूषण के स्रोत को स्थापित करने के लिए जल वैज्ञानिक (हाइड्रोलॉजिकल) जांच की। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि यूसीआईएल के पछोड़न कुण्ड़ से निकलने वाले पानी में कोई दृष्टिगोचर विलीन यूरेनियम प्लूम नहीं है। हालांकि, ऊपरी क्षेत्रों के आस-पास भूजल में उच्च यूरेनियम सांद्रण की उपस्थिति पूरी तरह से उस क्षेत्र में प्राकृतिक यूरेनियम निक्षेपों के कारण है जिसने पानी की गुणवत्ता को कम कर दिया है और इसलिए पछोड़न कुण्ड़ आस-पास के कुओं में भूजल संदूषण का संभाव्य कारण नहीं है।

2. **श्री वेंकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसवीआईएमएस),** तिरुपति ने संबंधित क्षेत्रों में कथित स्वास्थ्य मुद्दों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे के लिए यूसीआईएल का प्रचालन जिम्मेदार नहीं है।

3. **राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी),** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मेसर्स यूसीआईएल के पछोड़न कुण्ड़ और आस-पास के गांवों में कृषि फसल की कथित कम पैदावार/अवरुद्ध वृद्धि पर अध्ययन किया और अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि तुम्मलपल्ली में यूरेनियम प्रचालन क्षेत्र विशेष में कृषि भूमि के संदूषण के लिए जिम्मेदार नहीं है।

4. **आइसोटोप एवं विकिरण अनुप्रयोग प्रभाग (आईआरएडी),** बीएआरसी ने भूजल में यूरेनियम संदूषण के स्रोत की पहचान करने के लिए तुम्मलपल्ली में एक आइसोटोप जल वैज्ञानिक (हाइड्रोलॉजिकल) अध्ययन किया। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि कुछ कुओं में पाए गए उच्च मात्रा में यूरेनियम की उपस्थिति प्रकृति में भूगर्भिक थी और यह पछोड़न कुण्ड़ या विस्तारित कुण्ड़ से प्राप्त नहीं हुई थी।

5. **मेसर्स मेकॉन, भारत सरकार का एक उद्यम** ने कथित भूजल संदूषण का अध्ययन करने के लिए तुम्मलपल्ली में पछोड़न कुण्ड़ क्षेत्र के लिए जल भूवैज्ञानिक जांच की। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि पानी में यूरेनियम में अधिक सांद्रता को तब देखा जाता है जब बोरवेल अयस्क पिंड को प्रतिच्छेद करते हैं। उपरोक्त वैज्ञानिक जांच के आधार पर, यह सिद्ध किया जाता है कि तुम्मलपल्ली में यूसीआईएल के प्रचालन क्षेत्र विशेष में और उसके आस-पास कोई स्वास्थ्य मुद्दे का कारण नहीं है और उससे भूजल/कृषि भूमि का संदूषण नहीं हुआ है। फिर भी, स्थानीय जनता के अनुरोध पर, कंपनी द्वारा त्वचा विशेषज्ञ और प्रसूति विशेषज्ञ जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों को नियुक्त किया गया हैं और वे नियमित रूप से ग्रामीण चिकित्सा शिविरों के तहत आस-पास के सभी गांवों का दौरा कर रहे हैं।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) उपरोक्त (घ) के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता।

(च) जी, हां। तुम्मलपल्ली परियोजना के लिए आंध्र प्रदेश सरकार से सभी वैधानिक अनुमतियां जैसे खान और भूविज्ञान विभाग से खनन पट्टा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रचालन के लिए सहमति (सीएफओ) और स्थापना के लिए सहमति (सीएफई) प्राप्त कर ली गई हैं।

* * * * *